(ख) वर्ष 1991–92 के दौरान कोयला क्षेत्र के लिए विदेशी सहायता के निर्धारित उपयोगिता लक्ष्य को नीचे दिया गया है :–

सहायतादाता देश/संगठन	सहायतादाता देश की मुद्रा में राशि	वर्ष 1991–92 के लिए, 1991–92 की कार्रवाई योजना के सहायता उपयोगिता लक्ष्य के अनुसार (मिलियन सहायतादाता देश की मुद्रा में)
सोवियत संघ . .	रूबल	8.905
फ्रांस . . .	फ्रेंच फ्रेंक	28.131
कनाडा . . .	कनाडायाई डालर	25.707
आस्ट्रेलिया . .	आस्ट्रेलियाई डालर	31.071
जर्सनी . . .	डच मार्क	22.426
यूनाइटेड किंगडम .	पौंड स्टर्लिग	2.136
विश्व बैंक (आई.बी. आर. डी.) . .	अमरीकी डालर	49.660

(ग) विदेशी मुद्रा की उपयोगिता पर सम्बद्ध कोयला कंपनियों, सरकार, सहायतादाता देश/संगठन द्वारा गहन रूप में निगरानी रखी जा रही है ताकि इस बात का सुनिश्चिय हो सके कि इसका ठीक प्रयोग किया जा रहा है और इस मामले में कोई लापरवाही नहीं बरती जा रही है तथा अधिक राशि का खर्च नहीं किया जा रहा है ।

कोयला नियंत्रक को मिली शिकायतें

1649. **श्री राम सिंह राठवा :** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान कोयला खान नियंत्रण आदेश, 1945 के अधीन कोयला नियंत्रक को कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं ;

(ख) उनका श्रेणीवार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) कितने कर्मचारियों/अधिकारियों को दोषी पाया गया है और उनको क्या सजा मिली तथा इसमें अन्तर्ग्रस्त व्यक्तियों में से कितने प्रथम श्रेणी अधिकारी हैं ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस० बी० नयमेगौड़ा) : (क) और (ख) कोयला नियंत्रक कलकत्ता द्वारा कोलियरी नियंत्रण आदेश, 1945 के अंतर्गत वर्ष 1989–90, 1990–91 और 1991–92 के दौरान गुणवत्ता-संबंधी शिकायतें क्रमशः 4,91 तथा 110 प्राप्त हुई हैं । इस संबंध में ब्यौरा नीचे दिया गया है :–

1989–90 :

इस संबंध में कुल चार शिकायतें निम्नलिखित से प्राप्त हुई हैं :–

(1) उमेम कैलकीनेटस लि० (2) स्माल स्केल वीहाइव हार्ड कोक मैन्युफेक्चरस और (3) एसोसिएटिड सीमेंट कंपनी ।

1990-91 :

इस संबंध में कुल 91 शिकायतें निम्नलिखित से प्राप्त हुई हैं :—

(1) नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन, (2) पंजाब स्टेट विद्युत बोर्ड, (3) राजस्थान स्टेट विद्युत बोर्ड, (4) महाराष्ट्र स्टेट विद्युत बोर्ड, (6) दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान और (7) गुजरात विद्युत बोर्ड ।

1991-92

इस संबंध में कुल 110 शिकायतें निम्नलिखित से प्राप्त हुई :—

(1) गुजरात विद्युत बोर्ड (उकाई) (2) गुजरात विद्युत बोर्ड (सिक्का), (3) पंजाब स्टेट विद्युत बोर्ड (जी०एन०डी० टी०पी०), (4) कोटा थर्मल पावर प्रोजेक्ट (कोटा) और (5) कर्नाटक पावर कंपनी (रायचूर) ।

(ग) कोयला नियंत्रक के कार्यालय के कार्यक्षेत्र के अधीन कोयला सीमों के ग्रेड को शिकायतों के आधार पर घटाए जाने संबंधी का कार्य आता है । तद्नुसार वर्ष 1989-90 तथा वर्ष 1990-91 के दौरान दर्जा घटाई गई कोयला सीनों की संख्या क्रमशः 3 तथा 27 रही । हाल के वर्ष की शिकायत जांचाधीन हैं ।

बिहार में कोयला परियोजनाएं

1650. श्री राम सिंह राठवा : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार को बिहार में कोयले का कुल कितना भंडार होने का अनुमान है ;

(ख) उसका जिला-वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकार ने कौन-कौन सी परियोजनाएं आरंभ की हैं तथा कौन-कौन सी परियोजनाएं उसके विचाराधीन हैं ;

(घ) चालू परियोजनाओं में कितनी प्रगति हुई है ;

(ङ) क्या यह प्रगति सरकार द्वारा निर्धारित योजनाओं और कार्यक्रमों के अनुसार नहीं है ; और

(च) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस०बी० नयमेगौड़ा) : (क) और (ख) बिहार के विभिन्न कोयला क्षेत्रों में 1200 मीटर की गहराई तक कोयले के कुल 64063.85 मिलियन टन के भंडार होने का अनुमान लगाया गया है । बिहार राज्य के कोयला भंडारों का राज्यवार वितरण निम्नलिखित हैं :—

(आंकड़े मिलियन टन में)

राज्य	कोयला भंडार
1. हजारीबाग	22343.21
2. पालामू	3765.26
3. रांची	700.53
4. धनबाद	21396.00
5. देवगढ़	399.85
6. गिरीडीह	5054.86
7. गोड्डा	6643.89
8. दुमका	3710.25
9. भागलपुर	50.00
जोड़ :	64063.85

(ग) बिहार में वर्ष 1989-90 के दौरान 13, 1990-91 में 12 तथा 1991-92 के दौरान अक्तूबर, 1991 तक 3 और कोयला खनन परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई । 10 नई कोयला खनन परियोजनाएं सरकारी स्तर पर अनुमोदन के लिए मूल्यांकन तथा समीक्षाधीन हैं ।

(घ) से (च) बिहार राज्य में 2 करोड़ रु० तथा इससे अधिक की लागत की वर्तमान में 73 परियोजनाएं क्रियान्वयन अधीन हैं । इन परियोजनाओं में से 42 परियोजनाएं कार्यक्रम के अनुसार चल रही हैं और 31 परियोजनाओं के क्रियान्वयन में विलंब हुआ है । इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में विलंब होने के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं—भूमि अधिग्रहण तथा भू-विचित